

20/07/25 पञ्जावली देल हई। अखियला
 उरिवाणी ६ उप.। अखियला
 वालीया अनुपरिण। न्यायलम
 समय मे उवाप ल्गावई
 गई। अखियला वालीया
 अथवा वालीया रत्नं अउ।
 इतः वालीया डा पाउ पु
 उतम हाजरी उतम परी
 मे खादी किया जाना हो
 पञ्जावली फल उतम हो
 नानर से बन हो



(विनु देवनाथ)
 उपाध्यक्ष एवं
 अध्यक्ष (अध्यक्ष)